

**अवर्षी पत्रिका**

जागरूकता सत्राद्वारे में नेपाची व हरिनदप्रस्था गांध के किसानों को टी गाजर खास के रोकावाम की जानकारी

# फसलों व इंसानों के लिए गाजर घास घातक

बसन्त नगर कवर्धा

बसन्त नगर कवर्धा ने बसन्त दिवस के लिए फसल घास को सुरक्षित रखने में मदद किया। इस कार्यक्रम के किसानों को जागरूकता से होने वाले फसलों के जोड़ में जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिक प्रो. वि. वि. ने किसानों को फसल घास को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया। इसमें गाजर, घास और अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया। इसमें गाजर, घास और अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया।



बसन्त दिवस के अवसर पर किसानों को गाजर घास के घातक के बारे में बताया। इसमें गाजर, घास और अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया।

भिलाई-रायपुर, बुधवार 30 सितंबर, 2015 20

# दैनिक भास्कर

## खबरें फटाफट

### कुलपति ने देखा कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र



कुलपति ने देखा कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र

# पत्रिका

पत्रिका कवर्धा सुक्राट 25 सितंबर 2015

## अब धान की फसलों पर झुलसा रोग फैला



अब धान की फसलों पर झुलसा रोग फैला

# नवभारत

## राजनांदगांव | कवर्धा

भारत, बुधवार, 7 अक्टूबर 2015

कवर्धा | इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसके पाटिल ने कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रक्षेत्र में लगा गए क्रीप कैंपेटरिया का अवलोकन किया। कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र में बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत धान की 16 किस्में, सोयाबीन की 4 और गन्ने की 9 किस्में लगाई गई हैं। भ्रमण के दौरान कुलपति ने प्रदर्शन प्रक्षेत्र में इंदिरा सोया सीड ड्रिल से सोयाबीन की बियाई, मल्टीक्रॉप सीड सीड

पत्रिका @ पत्रिका

विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र में धान की फसलों पर झुलसा रोग फैला। इस रोग के लक्षण देखा गया। किसानों ने खेतों का निरीक्षण कर इस रोग के निरोध के संबंध में किसानों को जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के बीबी प्रियादे, स्नातक शर्मा और प्रमिला कान्त, विषय वस्तु विशेषज्ञ इस रोग के विभिन्न गांधों में जाकर खेतों का निरीक्षण किया और रोग के निरोध के संबंध में जानकारी दी। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि फसलों पर कीटों का प्रकोप हो तो 10 किग्रा फोस्फोरस एकाइ की दर से और दूधसांडलांगोल 120 ग्राम प्रति एकाइ की दर से छिड़काव करें। सुरिया का छिड़काव तब जब तक नहीं करें जब तक बीमारी ठीक नहीं हो जाती। धान की फसल में काली-पत्ती पर

को मिला, जिसके लिए हेक्जामेथेनोल 300 मिली प्रति एकाइ की दर से छिड़काव करें और जल नििकास को व्यवस्था करें। धान की किस्म जिसमें फल्लर स्मॉट, लाई लक्का की शिकार्यता आती है उसमें गर्भोट अवस्था और 1 से 2 प्रतिशत बाली निकलने पर प्रोपेक्लोनाजोल 300 मिली प्रति एकाइ की दर से छिड़काव करें। मेणों की स्तफ-स्तफाई, अनुसूचित मात्रा में उर्वरक का छिड़काव करने की सलाह दिया गया। सोयाबीन फसल में स्पेक्ट्रॉट्रॉफॉट के निरोध के लिए बलोरपेण्टाथर 10 प्रतिशत एस्टरी 400 मिली प्रति एकाइ की दर से छिड़काव करें और सोयाबीन की फसल में उर्वरक जल

## वृहद प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

### कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को बीजोत्पादन कार्य बताया




कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को बीजोत्पादन कार्य बताया

# भास्कर

सोमवार 9 नवंबर, 2015

## नेवारी में लगा शिविर, 150 पशुओं का उपचार किया



नेवारी में लगा शिविर, 150 पशुओं का उपचार किया

भिलाई-रायपुर, सोमवार 12 अक्टूबर, 2015 20

## बदली से अरहर की फसलों में कीट प्रकोप का खतरा

कवर्धा में देरी होने पर धान की फसलों में अरहर कीट, कृषि वैज्ञानिकों ने जाई मिश्र, अरहर धान की फसल में बढ़ते पोखरी



बदली से अरहर की फसलों में कीट प्रकोप का खतरा

कवर्धा | कृषि विज्ञान केंद्र नेवारी में बीजोत्पादन और अरहर पर बहुत प्रकोप दिखने पर जागरूकता और धान, सोयाबीन जागरूक बीज का बीजोत्पादन कर जागरूकता कार्यक्रम की थी। कार्यक्रम के दौरान बीजोत्पादन के किसानों को धान बीज का निरोध किया गया।

कार्यक्रम में निदेशक डॉ. प्रमोदी जाधव ने किसानों को जागरूकता और अरहर की फसलों में कीट प्रकोप का खतरा बताया। इसमें गाजर, घास और अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया।

## कृषि वैज्ञानिकों ने डेढ़ सौ किसानों को बांटे चना बीज

कृषि विज्ञान केंद्र नेवारी में बीजोत्पादन और अरहर पर बहुत प्रकोप दिखने पर जागरूकता और धान, सोयाबीन जागरूक बीज का बीजोत्पादन कर जागरूकता कार्यक्रम की थी। कार्यक्रम के दौरान बीजोत्पादन के किसानों को धान बीज का निरोध किया गया।

कार्यक्रम में निदेशक डॉ. प्रमोदी जाधव ने किसानों को जागरूकता और अरहर की फसलों में कीट प्रकोप का खतरा बताया। इसमें गाजर, घास और अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गाजर घास के घातक के बारे में बताया।

## नवभारत राजनांदगांव कवर्धा

### कृषि विज्ञान केन्द्र में युवाओं को दिया प्रशिक्षण

विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

कवर्धा, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 04 फरवरी 2015 को

कृषि विज्ञान केन्द्र में युवाओं को दिया प्रशिक्षण

विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

## कवर्धा पत्रिका

### विश्व मृदा दिवस विविध जानकारी

विश्व मृदा दिवस का आयोजन 5 नवंबर को किया जा रहा है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को मृदा के महत्व और उपयोग के बारे में शिक्षित करना है।

विश्व मृदा दिवस का आयोजन 5 नवंबर को किया जा रहा है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को मृदा के महत्व और उपयोग के बारे में शिक्षित करना है।

## कवर्धा पत्रिका

### किसानों को बांटेंगे ज्ञान

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

## दैनिक भास्कर 20

### कवर्धा जिले के 3421 किसानों को दिया गया मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड

भास्कर न्यूज़ | कवर्धा

विश्व मृदा दिवस के मौके पर शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि की ओर से कृषक सम्मेलन का आयोजन विज्ञान केंद्र में किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर के 3421 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। इसके साथ ही कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

## खेतों में मृदा परीक्षण के बाद जिले के सभी किसानों को बांटे जाएंगे स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड

### एक्सपर्ट जाचेंगे मिट्टी, ऑनलाइन देंगे डिटेल

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

विश्व मृदा दिवस के मौके पर शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि की ओर से कृषक सम्मेलन का आयोजन विज्ञान केंद्र में किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर के 3421 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। इसके साथ ही कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

कृषक सम्मेलन में कृषि विज्ञान केंद्र की ओर 142 और कृषि विभाग की ओर से 2000 मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए गए थे। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर पोषक तत्वों की मानक मात्रा ज्ञान देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कवर्धा विभागाध्यक्ष अशोक साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल और कलेक्टर धनंजय देवांगन ने प्रगतिशील किसानों के साथ प्रशंसा भ्रमण किया। इस दौरान अतिथियों ने प्रशंसा में ज़ाईर कैफेटेरिया के अंतर्गत गेहूँ की 15, चने की 8, राधा की 10 व अरहर की कुल 6 किरमों का अवलोकन किया। इसके बाद केंद्र के प्रशासनिक भवन में लगाए गए प्रदर्शनी में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी व निजी कंपनियों की ओर से लगाए गए विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य का महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से संचालित हो रही गतिविधियों के बारे में बताया।

### नवभारत विश्व मृदा दिवस कृषक सम्मेलन का आयोजन

कवर्धा, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 04 फरवरी 2015 को

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जय राठोड़ियाकर, राजनांदगांव के सहकार के बारे में बताया तथा



लेवली ने किसानों को कार्ड वितरण करते अतिथि।



कृषि, कबीरधाम द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी.पी. त्रिपाठी द्वारा